योग दर्शन के आधारभूत सिद्धांत

डॉ० जवाहर लाल

प्रथम संस्करण : 2019

मूल्य : 150/-

ISBN : 978-93-87195-53-0

इस पुस्तक का कोई भी भाग किसी रूप में या किसी भी अर्थ में लेखक की अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता। सर्वाधिकार लेखक के अधीन हैं।

© लेखक

प्रकाशक :

शिवालिक प्रकाशन

4648/21, ग्राउंड फ्लोर, अंसारी रोड़ दरियागंज, नई दिल्ली-110002

फोन : 011-42351161

ई-मेल : shivalikprakashan@yahoo.com.

शाखा कार्यालय :

प्लॉट सं. 394, संजय नगर कॉलोनी

पहरिया, रामदत्तपुर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

भारत में प्रकाशित

विरेन्द्र तिवारी द्वारा शिवालिक प्रकाशन 27/16, शक्ति नगर, दिल्ली, 110007 के लिए प्रकाशित। शब्द संयोजन : ओ३म् कम्प्यूटर्स, दिल्ली, आ. के. ऑफसेट प्रिंटर्स, दिल्ली द्वारा मुद्रित।

Yogdarshan Ke Aadar Bhut Sidhant, By *Dr. Jawahar Lal*

अनुक्रम

निवेदन	5
योगदर्शन का ऐतिहासिक परिचय	11
उपनिषदों में योग	13
भगवद्गीता के अनुसार योग	18
भारतीयदर्शनों में योग	20
पातञ्जलयोगसूत्र	21
योगसूत्र का प्रतिपाद्य विषय	22
प्रथम समाधि पाद	23
साधनपाद	23
विभूतिपाद	23
कैवल्यपाद	24
योग के लक्षण	25
पातञ्जलयोग दर्शन की परम्परा-	25
जैनदर्शन में योग	27
बौद्धमत के अनुसार योग का स्वरूप	31
चार आर्यसत्य	31
योग के विविधप्रकार	35
योगी के लक्षण	38
चित्त की भूमियों	39
चित्त की वृत्तियाँ	42

सांख्यदर्शन में दु:खवाद 96
दु:ख निवृत्ति के उपाय 101
प्रकृति पुरुष के परस्पर संयोग से सृष्टि 106
प्रकृति का स्वरूप 108
महत्तत्त्व या बुद्धितत्त्व 110
बुद्धितत्त्व- 111
बुद्धि के तामसिक रूप 113
अहङ्कार 114
अहंकार के भेद 114
इन्द्रियाँ 115
पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ 116
तन्मात्रायें 116
पञ्चमहाभूत 117
पुरुषसिद्धि 118
पुरुष के अस्तित्व में प्रमाण 120
प्रमाण निरूपण 120
प्रत्यक्ष प्रमाण 121
अनुमान प्रमाण 122
आप्त प्रमाण 125
सत्कार्यवाद 126
व्यक्त तत्त्वों के साधर्म्य 132
अव्यक्त तथा पुरुष के साधर्म्य एवं वैधर्म्य 134
आत्मा का स्वरूप 134
स्थितप्रज्ञ का स्वरूप 138
कर्मयोग 141
ज्ञानयोग 146
भक्तियोग 149
क्षेत्रक्षेत्रज्ञ का स्वरूप 152

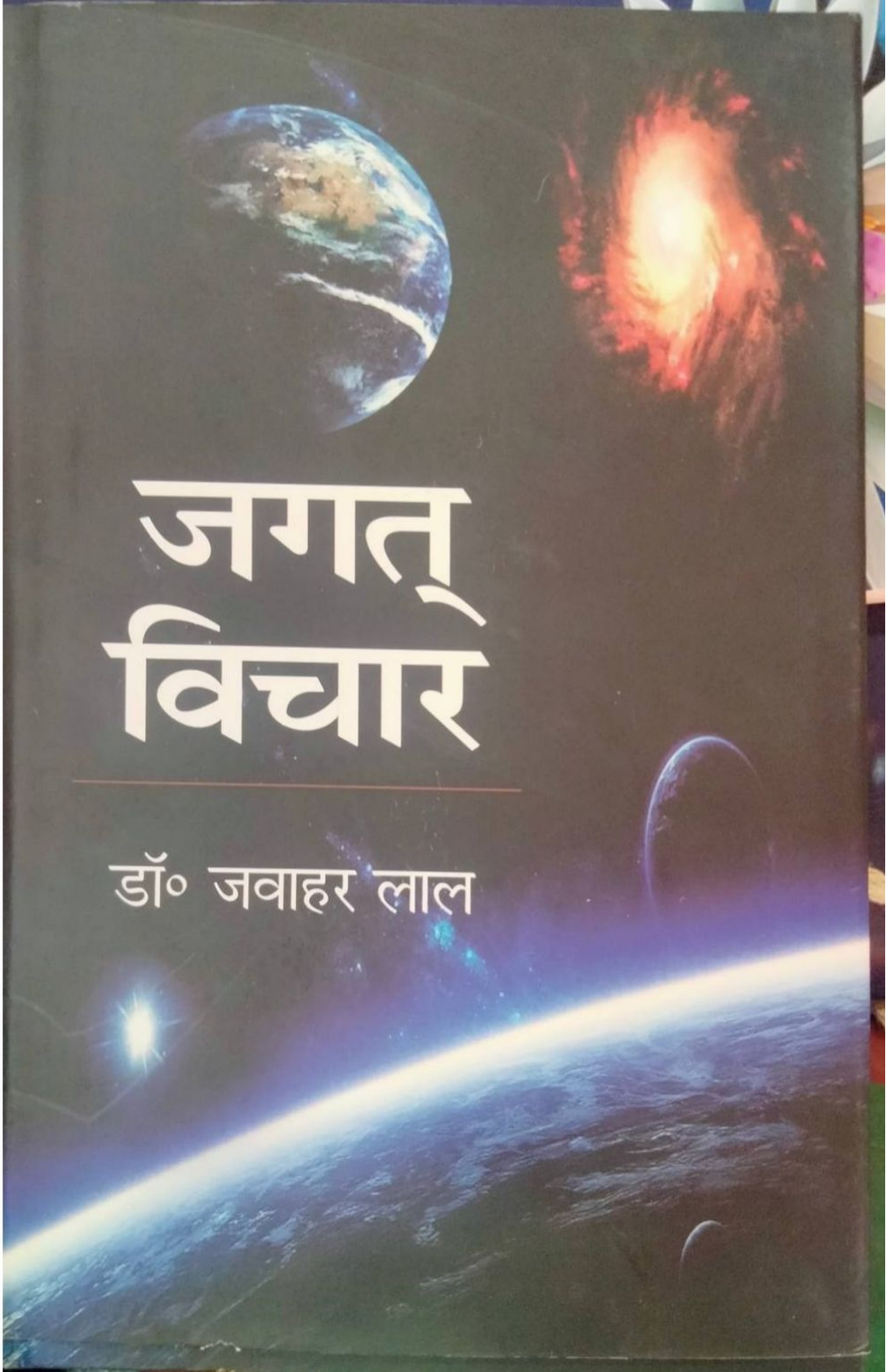

जगत् विचार

डॉ० जवाहर लाल

जगत् विचार

डॉ० जवाहर लाल

शिवालिक प्रकाशन

दिल्ली वाराणसी

प्रथम संस्करण : 2019

मूल्य : 650/-

ISBN : 978-93-87195-52-3

इस पुस्तक का कोई भी भाग किसी रूप में या किसी भी अर्थ में लेखक की अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता। सर्वाधिकार लेखक के अधीन हैं।

© लेखक

प्रकाशक :

शिवालिक प्रकाशन

4648/21, भूतल, अन्सारी रोड

दरियागंज नई दिल्ली-110002

फोन : 011-42351161

ई-मेल : shivalikprakashan@yahoo.com.

शाखा कार्यालय :

प्लॉट सं. 394, संजय नगर कॉलोनी

पहरिया, रामदत्तपुर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

भारत में प्रकाशित

विरेन्द्र तिवारी द्वारा शिवालिक प्रकाशन 27/16, शक्ति नगर, दिल्ली, 110007 के लिए प्रकाशित। शब्द संयोजन : ओ३म् कम्प्यूटर्स, दिल्ली, आ.के. ऑफसेट प्रिंटर्स, दिल्ली द्वारा मुद्रित।

Jagat Vichar by Dr. Jawaharlal

Rs. 650/-

विचार सागर विमर्श

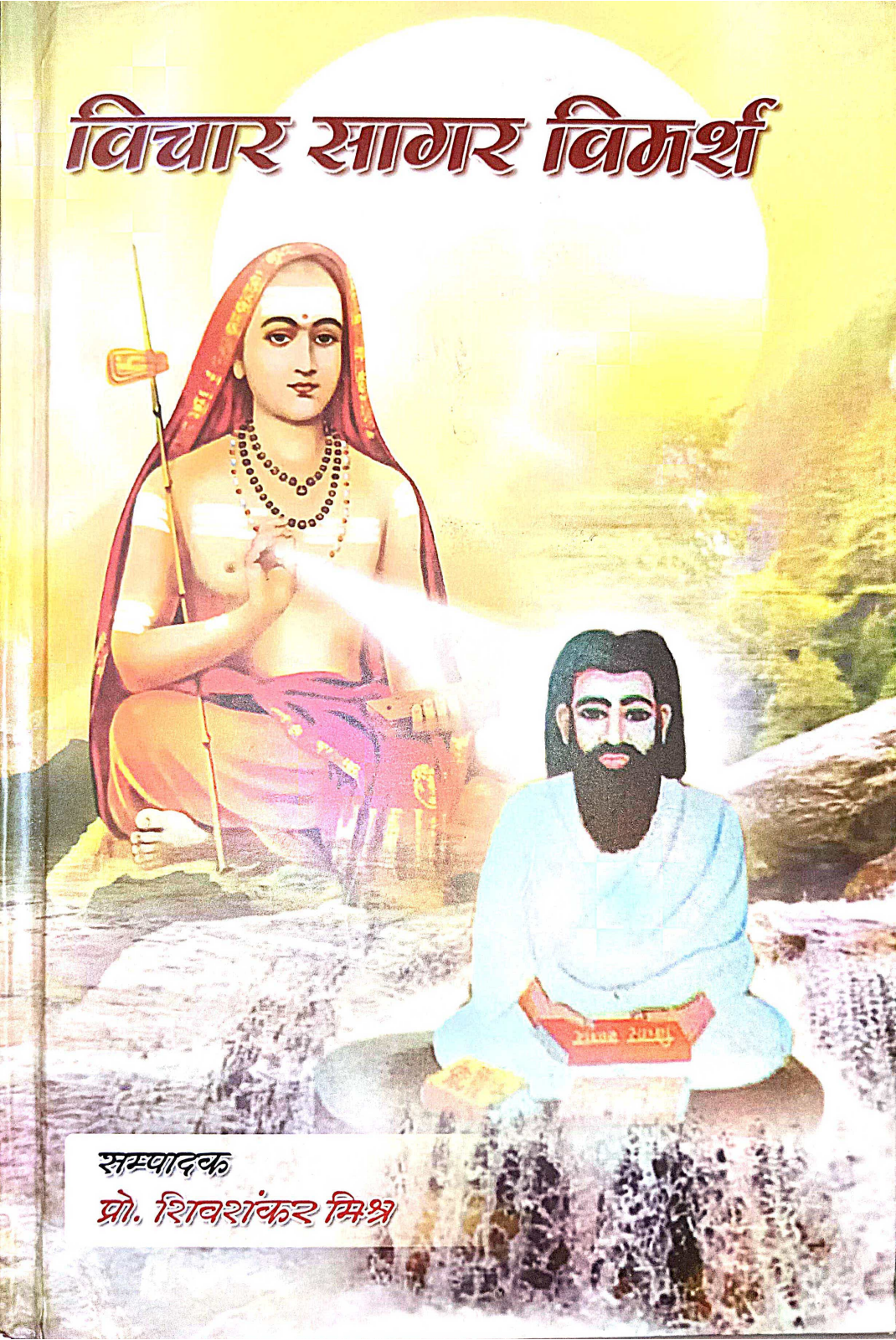

सम्पादक
प्रो. शिवशंकर मिश्र

विचार सागर विमर्श

सम्पादक
प्रो० शिवशङ्कर मिश्र,
शोधविभागाध्यक्ष
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
सह-सम्पादक
विजय गुप्ता
सहायकाचार्य, सर्वदर्शन विभाग
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
प्रबन्ध सम्पादक
भूपसिंह दहिया, एम०ए० (संस्कृत) (निश्चल रत्न)
अध्यक्ष, सेंट निश्चलदास मैमोरियल इंटरनैशनल मिशन (रजि०)

मान्यता प्रकाशन
60-सी मायाकुञ्ज मायापुरी,
नयी दिल्ली-110064 (भारत)

प्रकाशक एवं वितरक **मान्यता प्रकाशन**
60-सी, मायाकुञ्ज मायापुरी,
नयी दिल्ली-110064 (भारत)
Tel 011 - 2540 7546, 2513 7546
9999889290, 98110 14522
mail at manyataprakashan@gmail.com
manyataprakashan@yahoo.com

© सम्पादक/प्रकाशक

ISBN 978-93-92626-00-5

Barcode

प्रथम संस्करण 2021

मूल्य ₹ 975/-

मुद्रक नेशनल मार्किटिंग्स्,
998, कटरा मंगलसेन,
चावड़ी बाजार, दिल्ली-6
mail at rakeshnational@yahoo.com
कम्प्यूट्रीकृत टङ्कण प्रिन्ट्रेडस्, नयी दिल्ली-110064

9. अनुबन्ध स्वरूप निरूपण — 136
डॉ० सुन्दर नारायण झा

10. विचारसागरस्थ ईश्वरस्वरूपविमर्श — 143
विजय गुप्ता

11. ब्रह्म लक्षण एवं स्वरूप-विवेचन — 149
सत्येन्द्रमणि त्रिपाठी

12. विचार सागर के अनुसार जीव निरूपण — 155
रमेश चन्द्र नैलवाल

13. अवस्था चतुष्टय की अवधारणा — 165
प्रो० जवाहर लाल

14. जीवनमुक्ति निरूपण — 179
प्रो० जवाहर लाल

15. विचार सागरनिष्ठ कनिष्ठ अधिकारी के लिए ब्रह्मपदप्राप्ति के साधन — 191
विजय गुप्ता

16. विचार सागर में वर्णित ख्यातिवाद का विश्लेषण — 199
श्याम कुमार

17. विचारसागरनिष्ठ आभासवाद के स्वरूप की समीक्षा — 209
यशवन्त कुमार त्रिवेदी

18. विचार सागर के अनुसार सृष्ट्युत्पत्ति एवं पञ्चीकरण — 217
निराली

19. विचार सागर में निर्दिष्ट प्रणवोपासना का अनुशीलन — 226
मानसी

20. विचार सागर में गुरु-शिष्य-लक्षण और गुरु-भक्ति का निरूपण — 238
प्रतीक कुमार

21. परिशिष्ट (विचार सागर मूल) — 249

१३

अवस्था-चतुष्टय की अवधारणा

प्रो० जवाहर लाल
आचार्य, सर्वदर्शन विभाग
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

अद्वैतवेदान्त ब्रह्म एवं आत्मा में किञ्चिन्मात्र भी भेद स्वीकार नहीं करता है। दोनों सच्चिदानन्द-विशुद्ध-प्रकाश स्वरूप हैं। आत्मा ब्रह्म का पर्याय हैं **अयमात्मा हि ब्रह्मैव**[१], **स्वात्मा ब्रह्म**[२] इत्यादि वाक्यों से जीव और ब्रह्म का पूर्ण-तादात्म्य-बोध होता है। यह इन्द्रियगम्य या बुद्धि विकल्प का भी विषय नहीं है। यह साक्षी द्रष्टा तथा सापेक्ष बुद्धि से परे चतुष्कोटि विनिर्मुक्त है। आत्मा की सिद्धि प्रमाणों से सम्भव नहीं है क्योंकि यह समस्त प्रमाणों का आधार है तात्त्विक रूप से जीवात्मा एवं ब्रह्म में कोई भेद नहीं है **तत्त्वमसि** महावाक्य से यह सिद्ध है किन्तु दोनों के सत्ता के स्तर में भेद है आत्मा पारमार्थिक सत् है जबकि जीव व्यावहारिक सत् है आत्मा निरुपाधिक है जबकि जीव सोपाधिक है आत्मा निरवयव विभु अद्वय निर्वैयक्तिक है जबकि जीव सावयव, सीमित अनेक तथा मानस बुद्धि अहंकार एवं चित्त के कारण

विचार सागर विमर्श

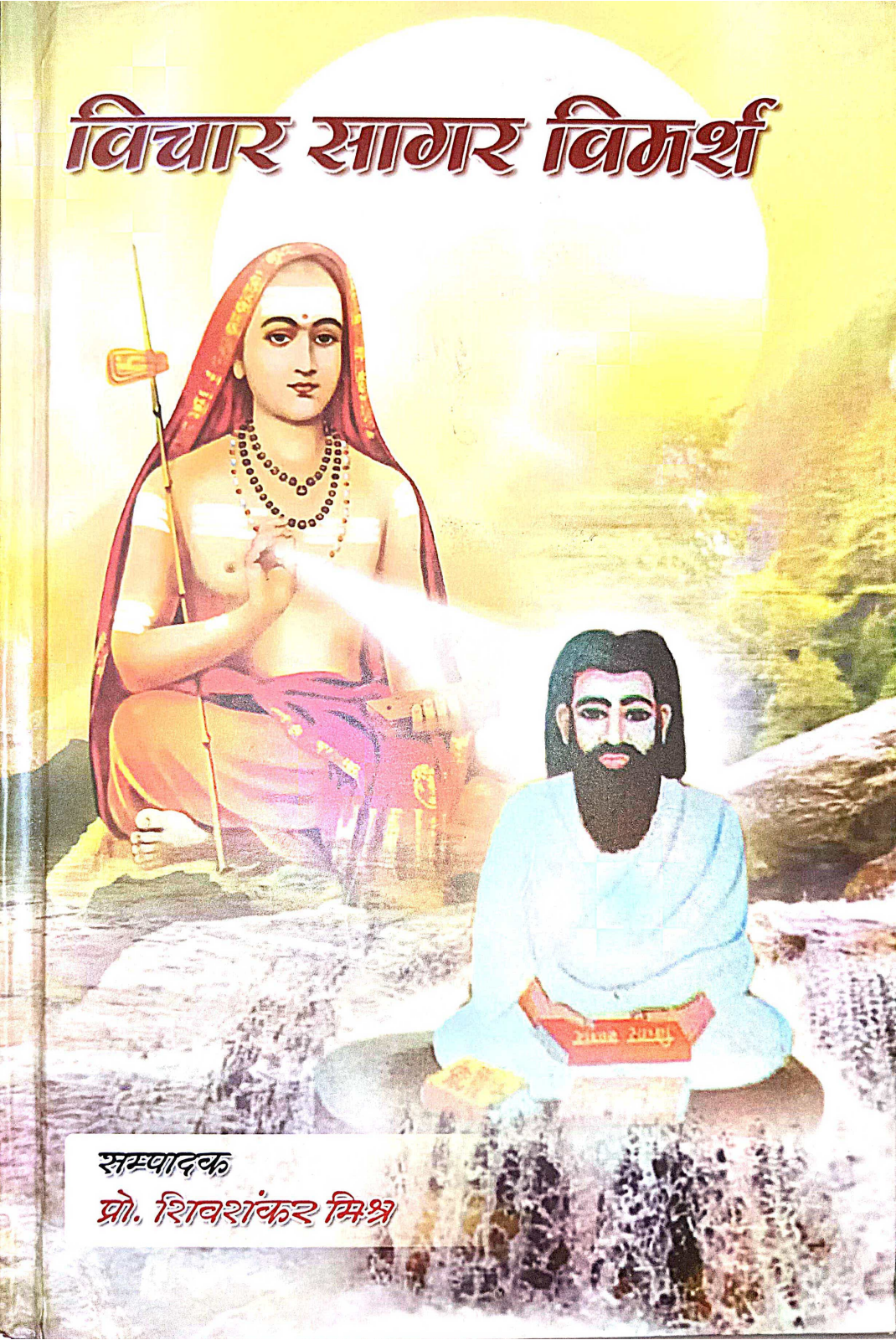

सम्पादक
प्रो. शिवशंकर मिश्र

विचार सागर विमर्श

सम्पादक
प्रो० शिवशङ्कर मिश्र,
शोधविभागाध्यक्ष
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
सह-सम्पादक
विजय गुप्ता
सहायकाचार्य, सर्वदर्शन विभाग
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
प्रबन्ध सम्पादक
भूपसिंह दहिया, एम०ए० (संस्कृत) (निश्चल रत्न)
अध्यक्ष, सेंट निश्चलदास मैमोरियल इंटरनैशनल मिशन (रजि०)

मान्यता प्रकाशन
60-सी मायाकुञ्ज मायापुरी,
नयी दिल्ली-110064 (भारत)

प्रकाशक एवं वितरक **मान्यता प्रकाशन**
60–सी, मायाकुञ्ज मायापुरी,
नयी दिल्ली–110064 (भारत)
Tel 011 - 2540 7546, 2513 7546
9999889290, 98110 14522
mail at manyataprakashan@gmail.com
manyataprakashan@yahoo.com

© सम्पादक/प्रकाशक

ISBN 978-93-92626-00-5

Barcode 9 789392 626005

प्रथम संस्करण 2021

मूल्य ₹ 975/-

मुद्रक नेशनल मार्किटिंग्स्,
998, कटरा मंगलसेन,
चावड़ी बाजार, दिल्ली–6
mail at rakeshnational@yahoo.com
कम्प्यूटीकृत टङ्कण प्रिन्ट्रेडस्, नयी दिल्ली–110064

9. अनुबन्ध स्वरूप निरूपण — 136
डॉ० सुन्दर नारायण झा

10. विचारसागरस्थ ईश्वरस्वरूपविमर्श — 143
विजय गुप्ता

11. ब्रह्म लक्षण एवं स्वरूप-विवेचन — 149
सत्येन्द्रमणि त्रिपाठी

12. विचार सागर के अनुसार जीव निरूपण — 155
रमेश चन्द्र नैलवाल

13. अवस्था चतुष्टय की अवधारणा — 165
प्रो० जवाहर लाल

14. जीवनमुक्ति निरूपण — 179
प्रो० जवाहर लाल

15. विचार सागरनिष्ठ कनिष्ठ अधिकारी के लिए ब्रह्मपदप्राप्ति के साधन — 191
विजय गुप्ता

16. विचार सागर में वर्णित ख्यातिवाद का विश्लेषण — 199
श्याम कुमार

17. विचारसागरनिष्ठ आभासवाद के स्वरूप की समीक्षा — 209
यशवन्त कुमार त्रिवेदी

18. विचार सागर के अनुसार सृष्ट्युत्पत्ति एवं पञ्चीकरण — 217
निराली

19. विचार सागर में निर्दिष्ट प्रणवोपासना का अनुशीलन — 226
मानसी

20. विचार सागर में गुरु-शिष्य-लक्षण और गुरु-भक्ति का निरूपण — 238
प्रतीक कुमार

21. परिशिष्ट (विचार सागर मूल) — 249

१४

जीवनमुक्ति निरूपण

प्रो० जवाहर लाल
आचार्य, सर्वदर्शनविभाग
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

वेदान्त दर्शन ज्ञानयोग परम्परा की एक प्रमुख शाखा है जो जिज्ञासु को ज्ञान प्राप्ति के लिये प्रेरित करता है। वेदान्तदर्शन का मुख्य स्त्रोत उपनिषद् है। वस्तुतः वेद का अन्तिम भाग होने से उपनिषद् को ही वेदान्त कहा जाता है। **वेदान्तो नाम उपनिषत्प्रमाणम्**। प्रस्थान भेद से वेदान्तदर्शन तीन प्रस्थानों में विभक्त है। श्रुतिप्रस्थान-उपनिषत्, स्मृति-प्रस्थान-श्रीमद्भगवद्गीता, सूत्रप्रस्थान-ब्रह्मसूत्र। इन तीनों ही प्रस्थानों पर अद्वैतसिद्धान्त प्रवर्तक आचार्य शङ्कर ने भाष्य लिखा है जिसे शारीरक भाष्य भी कहते हैं की रचना की है। जो अद्वैत-वेदान्त दर्शन का मूल आधार है। स्वामी निश्चलदास कृत विचार सागर अद्वैत वेदान्त दर्शन का प्रकरण ग्रन्थ है। जो हिन्दी भाषा में पद्यों में रचित है। जो वेदान्त के सिद्धान्तों में सरलता से प्रवेश करने का मार्ग प्रशस्त करता है। अद्वैत वेदान्त के प्रकरण ग्रन्थ होने के कारण ही वेदान्तसार ग्रन्थ में भी वेदान्त के ही

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ

MSKE-010
तृतीय पत्र : दर्शनशास्त्र : ब्रह्मसूत्र, योगसूत्र, न्यायसूत्र

विशेषज्ञ समिति

प्रो. रमेश कुमार पांडेय कुलपति, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली	प्रोफेसर दिनेश चंद शास्त्री, वेद विभाग, गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार	प्रोफेसर बृजेश कुमार पांडेय, संस्कृत एवं प्राच्य विद्या संस्थान जे.एन.यू., दिल्ली
प्रोफेसर कमलेश कुमार चौकसी, निदेशक भाषा विद्यापीठ, गुजरात विश्वविद्यालय	प्रोफेसर शशि प्रभा कुमार, पूर्व चेयरपर्सन संस्कृत एवं प्राच्य विद्या संस्थान जे.एन.यू., दिल्ली	प्रोफेसर अवधेश प्रताप सिंह संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
प्रोफेसर सत्यपाल सिंह संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	प्रोफेसर कौशल पवार, निदेशक, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली	प्रोफेसर मालती माथुर पूर्व–निदेशक, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

कार्यक्रम संयोजक : प्रोफेसर कौशल पंवार, संस्कृत संकाय, निदेशक, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

पाठ लेखक	इकाई संख्या
प्रो. जवाहरलाल, श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली।	1, 2, 3, 4, 5, 6
डॉ, अवधेश प्रताप सिंह, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।	7, 8, 9, 10, 11
प्रो. शिव शंकर मिश्रा, श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली।	12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21
डॉ, पंकज के. मिश्रा, संस्कृत विभाग, सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।	22, 23, 24, 28, 29,30
प्रो. कमलेशकुमार सी. चौकसी, निदेशक भाषा विद्यापीठ, गुजरात विश्वविद्यालय, गुजरात।	25, 26, 27

सचिवालयीय सहयोगः श्री अनिल कुमार मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

सामग्री निर्माण

श्री तिलक राज
सहायक कुलसचिव
सा. नि. एवं वि. प्र., इग्नू, नई दिल्ली

जून, 2023

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2023

ISBN: 978-93-5568-833-0

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस सामग्री के किसी भी अंश को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में मिमियोग्राफी(चक्र मुद्रण) द्वारा अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के विषय में अधिक जानकारी विश्वविद्यालय के कार्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068 से अथवा इग्नू की आधिकारिक वेबसाइटः http://www.ignou.ac.in से प्राप्त की जा सकती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

लेजर टाइप सेटिंगः टेसा मीडिया एण्ड कंप्यूटर, सी–206, ए. एफ. इन्क्लेव–2, नई दिल्ली–110025

मुद्रणः हाईटेक ग्राफिक्स, एफ–28/3, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज–2, नई दिल्ली–110020

विषय सूची

खण्ड 1	**ब्रह्मसूत्र– बादरायण (शांकरभाष्य)**	**7**
इकाई 1	वेदान्त दर्शन का परिचय (अद्वैतवेदान्त और शंकराचार्य)	9
इकाई 2	अध्यासभाष्य	27
खण्ड 2	**ब्रह्मसूत्र–बादरायण (शांकरभाष्य चतुःसूत्री**	**47**
इकाई 3	जिज्ञासाधिकरणा (ब्रह्मसूत्र 1.1)	49
इकाई 4	जन्माद्यधिकरण (ब्रह्मसूत्र 1.1.2)	64
इकाई 5	शास्त्रयोनित्वाधिकरण (ब्रह्मसूत्र 1.1.3)	79
इकाई 6	समन्वयाधिकरण (ब्रह्मसूत्र 1.1.4)	87
खण्ड 3	**ब्रह्मसूत्र– बादरायण (श्रीभाष्य चतुःसूत्री)**	**101**
इकाई 7	विशिष्टाद्वैत वेदान्त का परिचय	103
इकाई 8	अथातो ब्रह्मजिज्ञासा (ब्रह्मसूत्र 1.1.1, लघुसिद्धान्त तक श्रीभाष्य)	122
इकाई 9	जन्माद्यस्य यतः (ब्रह्मसूत्र 1.1.2)	140
इकाई 10	शास्त्रयोनित्वात् (ब्रह्मसूत्र 1.1.3)	153
इकाई 11	तत्तु समन्वयात् (ब्रह्मसूत्र 1.1.4)	166
खण्ड 4	**पातञ्जलयोगदर्शन**	**183**
इकाई 12	योगदर्शन का परिचय (पातंजलयोगसूत्र एवं व्यासभाष्य)	185
इकाई 13	योग का लक्षण एवं स्वरूप (समाधिपार सूत्र 5–4)	197
इकाई 14	चित्तवृत्तियों के प्रकार, स्वरूप एवं निरोध (समाधिपाद सूत्र 5–16)	208
खण्ड 5	**अष्टांगयोग एवं कैवल्यस्वरूप**	**219**
इकाई 15	समाधिक का स्वरूप (समाधिपाद, सूत्र 17–22)	221
इकाई 16	ईश्वरप्रणिधान (साधिपाद, सूत्र 23–29)	233
इकाई 17	चित्तविक्षेप एवं चित्त के परिकर्म (समाधिपाद, सूत्र 30–40)	245
इकाई 18	चतुर्विधसमाप्ति (समाधिपाद, सूत्र 41–47)	256
इकाई 19	ऋतम्भरा प्रज्ञा और निरोध समाधि (समाधिपाद, सूत्र 48–51)	266
इकाई 20	योग के आठ अंग (साधनपाद, सूत्र 29–55 तथा विभूतिपाद, सूत्र 1–4)	276
इकाई 21	कैवल्यस्वरूप (कैवल्यपाद, सूत्र 34)	289
खण्ड 6	**न्यायदर्शन**	**303**
इकाई 22	न्यायदर्शन का परिचय (न्यायसूत्रकार गौतम और भाष्यकार वात्स्यायन)	305
इकाई 23	षोडशपदार्थोद्देशः (1.1.1–1.1.2)	322
इकाई 24	त्रिविध शास्त्रप्रवृत्ति	336
खण्ड 7	**चतुर्विध प्रमाण एवं द्वादश प्रमेयनिरूपण**	**349**
इकाई 25	प्रत्यक्ष प्रमाण (1.1.3–1.1.4)	353
इकाई 26	अनुमान, उपमान और शब्द प्रमाण (1.1.5–1.1.8)	363
इकाई 27	प्रमेय निरूपण : आत्मा, शरीर, इन्द्रिय (1.1.9–1.1.12) अर्थ, बुद्धि, मन (1.1.13–1.1.16) प्रवृत्ति, दोष, प्रेत्यभाव (1.1.17–1.1.19) फल, दुःख और अपवर्ग (1.1.20–1.1.22)	374
खण्ड 8	**अवशिष्ट पदार्थ निरूपण**	**385**
इकाई 28	संशय, प्रयोजन, दृष्टान्त (1.1.23–1.1.25) सिद्धान्त और अवयव (1.1.26–1.1.39)	387
इकाई 29	तर्क, निर्णय (1.1.40–41) वाद, जल्प वितण्डा (1.2.1–1.2.3)	400
इकाई 30	हेत्वाभास, छल (1.2.4–1.2.17) जाति और निग्रहस्थान (1.2.18–1.2.20)	410

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मानविकी विद्यापीठ

MSKE-009
वेद : वैदिक संहिताएँ और वैदिक व्याकरण

पाठ्यक्रम विशेषज्ञ समिति

प्रो. रमेश कुमार पांडेय कुलपति, लाल बहादुर भाास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली	प्रोफेसर दिनेश चंद भाास्त्री, वेद विभाग, गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार।	प्रोफेसर बृजेश कुमार पांडेय, संस्कृत एवं प्राच्य विद्या संस्थान जे.एन.यू., नई दिल्ली।
प्रोफेसर कमलेश कुमार चौकसी, निदेशक भाषा विद्यापीठ, गुजरात विश्वविद्यालय	प्रोफेसर शशि प्रभा कुमार, पूर्व अध्यक्ष संस्कृत एवं प्राच्य विद्या संस्थान जे.एन.यू., नई दिल्ली।	डॉ. अवधेश प्रताप सिंह संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
प्रोफेसर सत्यपाल सिंह संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।	प्रोफेसर कौशल पंवार, निदेशक, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू	

कार्यक्रम संयोजक: प्रोफेसर कौशल पंवार, संस्कृत संकाय, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम निर्माण समिति

पाठ लेखक	**इकाई संख्या**
डॉ. सुनिता मंगला, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	खण्ड1(इकाई 1,2,4)
डॉ, सुरेन्द्र कुमार, संस्कृत विभाग, महर्शि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक	खण्ड 1 (इकाई 3)
प्रो. हनुमान प्रसाद मिश्रा, श्रीलाल बहादुर भाास्त्री राश्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली	खण्ड 2 (इकाई 5)
प्रो. कौशल पंवार संस्कृत अनुशासन, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू **एवं** डॉ. प्रियंका चौरसिया, संस्कृत विभाग, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	खण्ड 4 (इकाई 14,15,16)
डॉ. देवेश कुमार मिश्र, मानविकी विद्यापीठ, इग्नू	खण्ड 2 (इकाई 6)
डॉ. संकल्प मिश्र, पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन	खण्ड 2 (इकाई 8)
डॉ. अमरजी झा, संस्कृत विभाग, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	खण्ड 3 (इकाई 9,10,11,12,13)
डॉ. सुचित्रा भारती, गार्गी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	खण्ड 5 (इकाई 17)
प्रो. जवाहरलाल, श्रीलाल बहादुर भाास्त्री राश्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली	खण्ड 6 (इकाई 19,20,21,22)
डॉ. अवधेश प्रताप सिंह, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय,	खण्ड 2 (इकाई 7) खण्ड 5 (इकाई 18) एवं खण्ड 7 (इकाई 23,24,25,26)
प्रो. सत्यपाल सिंह, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	खण्ड 8 (इकाई 27,28)

सचिवालयीय सहयोग

श्री शशि रंजन आलोक,
सहायक कार्यपालक (डी.पी.), मानविकी विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

सामग्री निर्माण

श्री तिलक राज
सहायक कुलसचिव
सा. नि. एवं वि. प्र.,इग्नू, नई दिल्ली

सितम्बर, 2023

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2023

ISBN- 978-93-5568-963-4

सर्वाधिकार सुरक्षित, इस कार्य का कोई भी अंश इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्ततु करने की अनुमति नहीं है।

मानविकी विद्यापीठ एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के बारे में विश्वविद्यालय कार्यालय मैदान गढ़ी नई दिल्ली से अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग, इग्नू द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित

लेजर टाइप सेटिंग : टेसा मीडिया एण्ड कंप्यटूर, C-206, A.F.Enclave-II, नई दिल्ली

मुद्रक : अंकुर आफसेट प्रा. लि., ए–54, सेक्टर–63, नौएडा।

विषय सूची

खण्ड 1	**वैदिक वाङ्मय का परिचय**	**9**
इकाई 1	ऋक्, यजुष्, साम और अथर्व संहिताएँ	11
इकाई 2	वेदों की शाखाएँ	51
इकाई 3	वेदों की अपौरुषेयता और नित्यता	74
इकाई 4	वैदिक परिभाषाएँ (मन्त्र, संहिता, ब्राह्मण, ऋषि, छन्द, देवता, विनियोग)	92
खण्ड 2	**वैदिक व्याख्याकार एवं प्रमुख प्रतिपाद्य विषय**	**109**
इकाई 5	वैदिक व्याख्याकार एवं प्रमुख प्रतिपाद्य	111
इकाई 6	वेदों में काव्य सौन्दर्य और ललित कलाएँ	136
इकाई 7	वेदों में दार्शनिक चिन्तन एवं विज्ञान	148
इकाई 8	वैदिक संस्कृति (सामाजिक, राजनैतिक संदर्भ)	164
खण्ड 3	**ऋग्वेद संहिता**	**187**
इकाई 9	वरुण सूक्त (1.25)	191
इकाई 10	इन्द्र सूक्त (1.32)	205
इकाई 11	विश्वेदेवा सूक्त (7.35)	217
इकाई 12	उषा सूक्त (7.79)	226
इकाई 13	सूर्य सूक्त (1.125)	230
खण्ड 4	**यजुर्वेद संहिता**	**237**
इकाई 14	प्रजापति सूक्त (शुक्लयजुर्वेद अध्याय 23, 1–5)	239
इकाई 15	यजुर्वेद (अध्याय 32, मंत्र 1 – 16)	252
इकाई 16	यजुर्वेद (अध्याय 36, मंत्र 10 – 2,3,12,13,14,17,18,19,22,24)	268
खण्ड 5	**सामवेद संहिता**	**283**
इकाई 17	आग्नेय पर्व (सामवेद, 1.1)	285
इकाई 18	पवमान पर्व (मंत्र 1 – 10)	298
खण्ड 6	**अथर्ववेद संहिता**	**311**
इकाई 19	वाक् सूक्त (अथर्ववेद, 4.30)	313
इकाई 20	सूर्या सूक्त (अथर्ववेद,)	328
इकाई 21	कालसूक्त (अथर्ववेद,10.53)	365
इकाई 22	भूमिसूक्त (अथर्ववेद,12.1)	378